BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

Subject Sanskrit Class 7

E-Lesson - 5 Class- VII - Sanskrit -

पाठ - 3 - दारिद्र्य सहायता
(गरीब की सहायता)

लङ् लकारः - मध्यमः पुरुषः
(लङ् लकार - मध्यम पुरुष)

इस पाठ में आप लङ् लकार' मध्यम पुरुष के धातु रूप पढ़ेंगे। मध्यम पुरुष के कर्तापद त्वम्, युवाम् तथा यूयम् हैं। मध्यम पुरुष के कर्ता उभयलिंग अर्थात् स्त्रीलिंग व पुल्लिंग दोनों के लिए प्रयुक्त होते हैं। लङ् लकार मध्यम पुरुष के रूप इस प्रकार हैं -

एकवचन	-	द्विवचन	-	बहुवचन
अपठः	-	अपठतम्	-	अपठत
↓		↓		↓
संज्ञा पद त्वम्		युवाम्		यूयम्
(तुमने पढ़ा)		(तुम दोनों ने पढ़ा)		(तुम सब ने पढ़ा)

मध्यमः पुरुषः (मध्यम पुरुष) पाठ का अर्थ

त्वम् अनमः।	युवाम् अधावतम्।	यूयम् अतरत।
तुमने नमस्कार किया।	तुम दोनों दौड़े।	तुम सब तैरे।
त्वं समाचारपत्रम् अपठः।	युवां लेखम् अलिखतम्।	यूयं देशम् अरक्षत।
तुमने समाचारपत्र पढ़ा।	तुम दोनों ने लेख लिखा।	तुम सबने देश की रक्षा की।
भो नितिन! त्वं पुष्पम् अजिघ्रः।	भो मित्रौ! युवां पुस्तकम् अपठतम्।	
हे नितिन! तुमने फूल सूँघा।	हे मित्रों! तुम दोनों ने पुस्तक पढ़ी।	
भो जनाः! यूयम् अगच्छत।		
हे लोगो! तुम सब जाओ।		
भो अनीशे! त्वं केकम् अकृन्तः।	युवां जलम् अपिबतम्।	
हे अनीशा! तुमने केक काटा।	तुम दोनों ने जल पिया।	
यूयं भोजनम् अपचत।		
तुम सब ने भोजन पकाया।		

Scanned with CamScanner

त्वं कार्यम् अकरोः। युवां कार्यम् अकुरुतम्। यूयं कार्यम् अकुरुत।
तुमने काम किया। तुम दोनों ने काम किया। तुम सबने काम किया।

दरिद्रस्य सहायता – गरीब की सहायता

त्वं सायं मार्गे एकं भिक्षुकम् अपश्यः। भिक्षुकस्य शरीरे जीर्णानि वस्त्राणि आसन्। सः बुभुक्षितः पिपासितः च आसीत्। त्वं झटिति स्वगृहम् अगच्छः। गृहे माता पिता च आस्ताम्।

तुमने शाम को रास्ते पर एक भिक्षुक देखा। भिक्षुक के शरीर पर पुराने कपड़े थे। वह भूखा और प्यासा था। तुम जल्दी से घर गए। घर में माता और पिता थे।

त्वं अम्बायै सर्वां वार्ताम् अकथयः। त्वम् अम्बा च भिक्षुकाय भोजनं जलं च अनयतम्। किन्तु सः किमपि न अखादत् सः तीव्रज्वरेण ग्रस्तः आसीत्। त्वं चलभाषियन्त्रेण जनकं सूचितम् अकरोः। पिता स्वकारयानेन तत्र आगच्छत्। यूयं सर्वे भिक्षुकम् चिकित्सालयम् अनयत। यूयं धन्याः स्थ।

तुमने माँ को सारी बात कही। तुम और माँ भिखारी के लिए भोजन और जल ले गए। किन्तु उसने कुछ भी नहीं खाया वह तेज बुखार से परेशान था। तुमने फोन से पिता को सूचित किया। पिता अपनी कार से वहाँ आए। तुम सब भिखारी को अस्पताल ले गए। तुम सब धन्य हो।

अभ्यासकार्य:

प्रश्न। मञ्जूषा की सहायता से उचित सर्वनाम शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

मञ्जूषा → सः, ते, त्वम्, युवाम्, यूयम्

(क) ______ ह्यः मातुलस्य गृहम् अगच्छः।
(ख) ______ कक्षायां तूष्णीं तिष्ठति।
(ग) ______ श्लोकम् अगायत।
(घ) ह्यः ______ फलरसम् अपिबतम्।
(ङ) ______ छात्राः कक्षां स्वच्छाम् अकुर्वन्।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. कोष्ठक में दी गई धातुओं के लङ् लकार में उचित रूप द्वारा रिक्त-स्थान पूर्ति कीजिए।

(क) किं त्वं नित्यं समाचारपत्रम् _____ ? (पठ्)
(ख) किं युवां प्रतिदिनं हरितशाकानि _____ ? (खाद्)
(ग) भो कन्ये! युवां विद्यालये क्रिकेटक्रीडाम् _____ । (क्रीड्)
(घ) यूयम् पाठान् _____ । (स्मृ)
(ङ) यूयं शब्दरूपाणि _____ । (लिख्)

प्रश्न 3. रेखांकित क्रियापदों को शुद्ध कीजिए।

(क) हे जनक! त्वं भोजनम् अपचत्।
(ख) त्वं ह्यः कुत्र आसीत्?
(ग) हे देशभक्ताः! यूयं धन्याः आसन्।
(घ) युवां कार्यम् अकुरुताम्।
(ङ) यूयं मित्राणि अहसन्।

प्रश्न 4. दिए गए प्रश्नों का एक शब्द में उत्तर दीजिए।

(क) त्वं सायं मार्गे कम् अपश्यः? _____
(ख) भिक्षुकस्य शरीरे कीदृशानि वस्त्राणि आसन्? _____
(ग) त्वं कस्यै सर्वां वार्तां अकथयः? _____
(घ) भिक्षुकः केन ग्रस्तः आसीत्? _____
(ङ) यूयं सर्वे भिक्षुकं कुत्र अनयत? _____

प्रश्न 5. दिए गए वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए।

(क) तुमने पाठ पढ़ा।
(ख) तुम दोनों ने कार्य किया।
(ग) तुम दोनों ने खाना पकाया।
(घ) तुम सब ने वस्त्र धोए।